

प्रेषक,

निदेशक,  
प्रशासन एवं विकास,  
पशुपालन विभाग, उ०प्र०, लखनऊ।

सेवा में,

समस्त मुख्य पशुचिकित्साधिकारी,  
पशुपालन विभाग, उत्तर प्रदेश।

पत्रांक:

/सा०-२/एस०ए०डब्लू०बी०(सेल), दिनांक :

विषय:-

उत्तर प्रदेश में "प्रीवेंशन ऑफ क्रूएलिटी टू ड्राप एंड पैक एनिमल्स रूल्स, 1965" के नियम 8 को तत्काल रूप से लागू किये जाने के संबंध में।

महोदय,

कृपया उपर्युक्त विषयक मुख्य सचिव महोदय के पत्र दिनांक 03 दिसम्बर, 2019 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जिसके द्वारा 1965 नियमों के नियम 8(छायाप्रति) के तहत पशुओं पर स्पाइकड बीट्स इस्तेमाल करना, उनसे वाहन खिंचवाने, माल ढुलवाने उनकी सवारी करने के दौरान उन्हें नियंत्रित करने के लिए नुकीले या कांटेदार मुंह की लगाम की निर्माण, व्यापार एवं भंडारण पर प्रतिबंध तथा उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों एवं शहरों में प्रवर्तन अभियान चलाकर अवैध कांटेदार लगाम जबा करने तथा अपराधियों के खिलाफ प्रिवेंशन ऑफ क्रूएलिटी टू एनिमल्स एक्ट 1960 के तहत केस दर्ज कराने संबंधी निर्देशित किया गया है।

अतः इस सम्बन्ध में आपको निर्देशित किया जाता है कि "प्रीवेंशन ऑफ क्रूएलिटी टू ड्राप एंड पैक एनिमल्स रूल्स, 1965" सभी प्रावधानों को नियमानुसार लागू कराया जाए तथा कृत कार्यवाही से अधोहस्ताक्षरी को भी अवगत कराने का कष्ट करें।

संलग्नक-उपरोक्तानुसार।

भवदीय,

(डा० यू०पी० सिंह)

निदेशक,

प्रशासन एवं विकास।

दिनांक : 16-12-19

पत्रांक: 2567

/सा०-२/एस०ए०डब्लू०बी०(सेल),

प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. समस्त अपर निदेशक ग्रेड-2, पशुपालन विभाग, उत्तर प्रदेश।
2. सचिव, भारतीय जीव-जन्तु कल्याण बोर्ड, एनआइएडब्लू कैम्पस, 42 माइलस्टोन, दिल्ली आगरा हाइवे, एन.एच.2 बल्लभगढ़ हरियाणा-121004
3. डॉ० मणिलाल वलियाते, PETA INDIA, क्लासिक हाऊस, 14 डॉक्टर लेन, पोल मार्केट, नई दिल्ली, दिल्ली-110001 मेल आईडी- manilalv@petaindia.org
4. प्रमुख सचिव, पशुधन, उत्तर प्रदेश शासन।

(डा० यू०पी० सिंह)

निदेशक,

प्रशासन एवं विकास।

CM

Email

dir-ah.up@nic.in

2367/HR  
04-12-19

वि० न० ३०-५

**Fwd:** उत्तर प्रदेश में "प्रीवेंशन ऑफ क्यूएलिटी टू ड्रॉट एंड पैक एनिमल्स रुल्स, 1965" के नियम 8 को तत्काल रूप से लागू किए जाने हेतु अनुरोध पत्र

**From :** CHIEF SECRETARY GoUP <csup@nic.in>

Tue, Dec 03, 2019 03:38 PM

**Subject :** Fwd: उत्तर प्रदेश में "प्रीवेंशन ऑफ क्यूएलिटी टू ड्रॉट एंड पैक एनिमल्स रुल्स, 1965" के नियम 8 को तत्काल रूप से लागू किए जाने हेतु अनुरोध पत्र

5 attachments

**To :** directorahd@yahoo.com, dir-ah.up <dir-ah.up@nic.in>

514/ST/DNH/  
04/12/2019

नो० ३०० A/W/B1

**From:** ManilalV@petaindia.org

**To:** "CHIEF SECRETARY GoUP" <csup@nic.in>

**Cc:** psdd2016@gmail.com

**Sent:** Tuesday, December 3, 2019 11:41:42 AM

**Subject:** उत्तर प्रदेश में "प्रीवेंशन ऑफ क्यूएलिटी टू ड्रॉट एंड पैक एनिमल्स रुल्स, 1965" के नियम 8 को तत्काल रूप से लागू किए जाने हेतु अनुरोध पत्र

महोदय,

मैं आपको पीपल फॉर द एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल्स (PETA) इंडिया तथा उसके 15 लाख से अधिक समर्थकों की ओर से इस पत्र के माध्यम से अनुरोध करना चाहता हूँ कि आप उत्तर प्रदेश में "प्रीवेंशन ऑफ क्यूएलिटी टू एनिमल्स (PCA) एक्ट, 1960 के अंतर्गत गठित "प्रीवेंशन ऑफ क्यूएलिटी टू ड्रॉट एंड पैक एनिमल्स रुल्स, 1965" ("1965 नियमों") के नियम 8 को तत्काल रूप से लागू करते हुए उत्तर प्रदेश राज्य के विभिन्न जिलों एवं शहरों में प्रवर्तन अभियान चलाकर स्पाईकड बिट्स (मुंह की नुकीली लगाम) को ज़ब्त करें। कानूनन प्रतिबंधित होने के बावजूद यहाँ स्पाईकड बिट्स का इस्तेमाल खुलेआम हो रहा है।

✓ "1965 नियमों" के नियम 8 के तहत पशुओं पर स्पाईकड बिट्स इस्तेमाल करना, उनसे वाहन खिचवाने, माल ढुलवाने या उनकी सवारी करने जैसे उद्देश्यों के दौरान उन्हें नियंत्रित करने के लिए नुकीले हथियार जैसे छड़, खूंटी, कांटा या किसी भी अन्य प्रकार के नोकदार औज़ार का इस्तेमाल करना पूर्णतया प्रतिबंधित है। (1965 नियमों की एक कॉपी संलग्नक A के रूप में संलग्न है)

प्रतिबंधित होने के बावजूद, उत्तर प्रदेश में अवैध स्पाईकड बिट्स/काँटेदार लगाम का इस्तेमाल खुलेआम हो रहा है जो की उपरोक्त वर्णित "1965 नियमों" के नियम 8 का स्पष्ट उलंघन है। (उत्तर प्रदेश की सड़कों पर स्पाईकड बिट्स पहने घोड़ों की कुछ तस्वीरें संलग्नक B के रूप में संलग्न हैं)

स्पाईकड बिट्स का इस्तेमाल न सिर्फ प्रतिबंधित है बल्कि यह बेहद क्रूर भी है। इस स्पाईकड बिट्स /काँटेदार लगाम को घोड़ों के मुंह में आधा इंच अंदर तक पहनाया जाता है। मुंह के अंदर होने के कारण उस पर घोड़ों के होंठ एवं जीभ घिसने से कट जाते हैं जो कि जीवन भर के लिए क्षतिग्रस्त भी हो सकते हैं। इसलिए यह आवश्यक है की इस क्रूर लगाम के इस्तेमाल पर लगे प्रतिबंध को तत्काल रूप से लागू किया जाए। (स्पाईकड बिट्स के इस्तेमाल से घोड़ों के मुंह में लगी चोटों की कुछ तस्वीरें संलग्नक C के रूप में संलग्न हैं)।

NK गुनील  
4-12-19

यहाँ यह भी संज्ञान में लेना महत्वपूर्ण है कि 'पशुपालन एवं डेयरी उद्योग' द्वारा वर्ष 2019 में की गयी बीसवीं पशुधन जनगणना के अनुसार उत्तर प्रदेश में घोड़ों एवं खच्चरों की जनसंख्या 0.76 लाख है व घोड़ों एवं खच्चरों की आबादी के मामले में उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा राज्य है। (2019 में की गयी बीसवीं पशुधन जनगणना की एक कॉपी **संलग्नक D** के रूप संलग्न है)

प्रीवेंशन ऑफ क्रूएलिटी टू एनिमल्स एक्ट, 1960 की धारा 4 के तहत स्थापित वैधानिक निकाय "एनिमल वेलफेयर बोर्ड ऑफ इंडिया" ने 1 जुलाई, 2014 को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के सभी मुख्य सचिवों को पत्र भेजकर अनुरोध किया था कि वो संबंधित अधिकारियों को आदेश जारी कर उनके क्षेत्रों में नुकीली या काँटेदार मुंह की लगाम के निर्माण, व्यापार एवं भंडारण पर प्रतिबंध लगाए। इसके अलावा एनिमल वेलफेयर बोर्ड ने यह भी अनुरोध किया था कि पशुओं को स्पाईकड बिट्स के द्वारा नियंत्रित करते हुए पशुओं की सवारी करने, माल ढुलाई करवाने या किसी भी अन्य तरह से उनपर काबू पाने का प्रयास करने वालों के खिलाफ मुख्य सचिव आवश्यक कार्रवाई भी करें। (एनिमल वेलफेयर बोर्ड ऑफ इंडिया द्वारा जारी किए गए उस पत्र की कॉपी **संलग्नक E** के रूप में संलग्न है)

इसलिए, मैं आपसे अनुरोध करता हूँ कि "प्रीवेंशन ऑफ क्रूएलिटी टू डॉट एंड पैक एनिमल्स रुल्स, 1965" के सभी प्रावधानों को तत्काल रूप से लागू करते हुए उत्तर प्रदेश राज्य के विभिन्न ज़िलो एवं शहरों में प्रवर्तन अभियान (Enforcement drive) चलाकर अवैध काँटेदार लगाम जब्त करें तथा अपराधियों के खिलाफ प्रीवेंशन ऑफ क्रूएलिटी टू एनिमल्स एक्ट, 1960 के तहत केस दर्ज करें। आप मुझसे [ManilaV@petaindia.org](mailto:ManilaV@petaindia.org) या +91 9910817382 पर संपर्क कर सकते हैं। मुझे आशा है कि इस विषय पर जल्द ही आपकी प्रतिक्रिया मिलेगी। आपके बहुमूल्य समय के लिए धन्यवाद।

भवदीय,

(डॉ. मणिलाल वलियाते)

CEO

**PETA India**

**Follow us on Facebook**

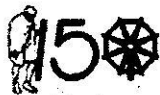
**Follow us on Hindi Facebook**

**Follow us on Twitter**

**Follow us on Instagram**

**Subscribe to our YouTube**

**Subscribe to our E-news**



150  
YEARS OF  
CELEBRATING  
THE MAHATMA

"Cleanliness is next to Godliness"

— **संलग्नक C-Spiked Bits Injuries to Horses.pdf**

476 KB

— **संलग्नक D-Livestock Census-2019.pdf**

2 MB

— **संलग्नक E-AWBI Advisory-01.07.2014pdf.pdf**

68 KB

— **संलग्नक A-The Prevention of Cruelty to Draught and Pack Animals Rules**

**1965.pdf**

78 KB



**— संलग्नक B-Photos from Uttar Pradesh.pdf**

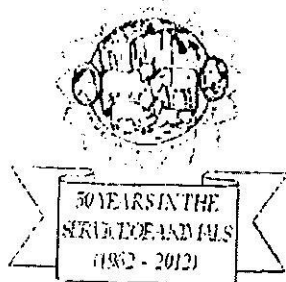
1,018 KB

GRAM: JIVABANDHU

Phone : 04424571025

04424571024

Fax : 04424571016



## ANIMAL WELFARE BOARD OF INDIA

(Ministry of Environment and Forests, Govt. of India)

Post Box No. 8672

13/1, Third Seaward Road, Valmiki Nagar, Thiruvananthapuram, Chennai - 600 041

Email : awbi@md3.vsnl.net.in Website: www.awbi.org

No.9- 5/2014-15/PCA

Dated 1<sup>st</sup> July, 2014

To  
The Chief Secretaries of all  
States / UTs

Sir/Madam,

Sub: Request to impose ban on trading, manufacturing and possession of spiked /  
thorn bits – Reg

With reference to the above cited subject, it is stated that the Central Government has enacted "The Prevention of Cruelty to Draught and Pack Animals Rules, 1965 under the Prevention of Cruelty to Animals Act, 1960. The same can be downloaded from our website:www.awbi.org.

As per Rule 8 of the above said Rules, **Use of spiked bits is prohibited:** No person shall, for the purpose of driving or riding an animal or causing it to draw any vehicle or for otherwise controlling it, use any spiked stick or bit, harness or yoke with spikes, knobs or projections or any other sharp tackle or equipment which causes or is likely to cause bruises, swellings, abrasions or severe pain to the animal. However, we realize that the use of spiked bits is a common occurrence.

I am therefore directed to request you to kindly take necessary action for issuing an suitable order to the concerned authorities to impose ban on trading, manufacturing and possession of thorn/spiked bits and to take necessary action against the persons driving or riding an animal or causing it to draw any vehicle or for otherwise controlling it by using spiked bits.

A copy of the circular / order passed by you may kindly be forwarded to the Board for information and record.

Yours faithfully,

  
(S. VINOD KUMAAR)  
Secretary I/c

Copy to: Chairman, AWBI for information.

**THE PREVENTION OF CRUELTY TO DRAUGHT AND  
PACK ANIMALS RULES, 1965.  
(as amended upto 9th December, 1968)\***

In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 38 of the Prevention of Cruelty to Animals Act, 1960 (59 of 1960), the Central Government hereby makes the following rules, the same having been previously published as required by sub-section (i) of that section, namely

The Prevention of Cruelty to Draught and Pack Animals Rules, 1965

**1. Short title and commencement:**

- (1) These rules may be called the Prevention of Cruelty to Draught and Pack Animals Rules, 1965.
- (2) They shall come into force in any State on such date as the State Government may, by notification in the official Gazette, appoint.

**2. Definitions**

- (1) In these rules, unless the context otherwise requires
  - (a) "large bullock" or "large buffalo" respectively means a bullock or buffalo, the weight of which exceeds 350 kilograms;
  - (b) "medium bullock" or "medium buffalo" respectively means a bullock or buffalo, the weight of which exceeds 250 kilograms, but does not exceed 350 kilograms "small bullock" or
  - (c) "small buffalo" respectively means a bullock or buffalo, the weight of which does not exceed 250 kilograms ;
  - (d) "street" includes any way, road, lane, square, alley or passage, whether a throughfare or not over which the public have a right of way; "vehicle" means a wheeled conveyance of any description which is capable of being used as such on any street.
- (2). For the purposes of clauses (a), (b) and (c) of sub-rule (1), the weight of an animal shall be determined by applying any of the following formulae, namely:

$$\frac{\text{length} \times \text{Girth}^2 \text{ in cms.}}{10838} = \text{Weight of animal in kgms}$$

or

$$\frac{9(\text{length in cms.} \times \text{Girth in cms}^2)}{1,00,000}$$

**3. Maximum loads for draught animals:**

1. No person shall cause any animal specified in column 1 of the table below to draw a vehicle of the kind described in the corresponding entry in column 2 thereof if it carries a load in excess of the weight specified in the corresponding entry in column 3 thereof.

Sno	1	2	3
@	Small bullock or small buffalo	Two-wheeled vehicle	
		a) if fitted with ball bearing	1000 kilograms
		b)if fitted with pneumatic tyres	750 kilograms
		c)if not fitted with pneumatic tyres	500 kilograms
2.	Medium bullock or medium buffalo	Two-wheeled vehicle	
		a) if fitted with ball bearing	1400 kilograms
		b)if fitted with pneumatic tyres	1050 kilograms
		c)if not fitted with pneumatic tyres	900 kilograms
3.	Large bullock or large buffalo	Tow-wheeled -vehicle	
		a) if fitted with ball bearing	1800 kilograms
		b)if fitted with pneumatic tyres	1350 kilograms
		c)if not fitted with pneumatic tyres	900 kilograms
4.	Horse or mule	Two- wheeled vehicle	
		a)if fitted with pneumatic tyres	750 kilograms
		b)if not fitted with pneumatic tyres	500 kilograms
5.	Pony	Two -Wheeled vehicle	
		a)if fitted with pneumatic tyres	600 kilograms
		b)if not fitted with pneumatic tyres	400 kilograms
6.	Camel	Two-Wheeled Vehicle	1000 kilograms

2. Where the vehicle to be drawn is a four-wheeled vehicle, weight specified in column 3 of the said table shall, in each case, be read as being one and a quarter times and, if the four-wheeled vehicle is one fitted with pneumatic tyres, as being one and a half times, as much as the weight so specified.
3. Where the vehicle, whether two-wheeled or four-wheeled is to be drawn by two animals of either species referred to in each of the entries in column 1 of the said table, the weight specified in the corresponding entry in column 3 thereof shall be

read as being twice, and, if the vehicle is one fitted with pneumatic tyres, as being two and a half times as much as the weight so specified.

4. Where the route by which a vehicle is to be drawn involves an ascent for not less than one kilometer and the gradient is more than three meters in a distance of thirty meters, the weight specified in column 3 of the said table shall, in each case, be read as being one-half of what is so specified.

**Explanation 1:** The weights specified in this rule shall be inclusive of the weight of the vehicle.

**Explanation 2:** In calculating any weight for the purpose of this rule, fractions shall be disregarded.

#### **4. Maximum load for certain pack animals:**

No person shall cause any animal specified in column 1 of the table below to carry any load in excess of the weight specified in the corresponding entry in column 2 thereof

Sno	1	2
1	Small bullock or buffalo	100 kilograms
2	Medium bullock or buffalo	150 kilograms
3	Large bullock or buffalo	175 kilograms
4	Pony	70 kilograms
5	Mule	200 kilograms
6	Donkey	50 kilograms
7	7. Camel	250 kilograms

#### **5. Maximum number of passengers for animal drawn vehicles :**

No person in charge of any vehicle drawn by any animal referred to in column I of the table under sub-rule (1) or rule 3 shall allow more than four persons, excluding the driver and children below 6 years of age, to ride on the vehicle.

#### **6. General Conditions for use of draught and pack animals :**

No person shall use or cause to be used any animal for drawing any vehicle or carrying any load

- (i) for more than nine hours in a day in the aggregate.
- (i) for more than five hours continuously without a break for rest for the animal
- (i) in any area where the temperature exceeds 37°C (99°F) during the period between 12.00 noon and 3.00 p.m.

#### **7. Animals to be disengaged after work:**

No person shall continue to keep or cause to be kept in harness any animal used for the purpose of drawing vehicles, after it is no longer needed for such purpose.

#### **8. Use of Spiked bits prohibited:**



No person shall, for the purpose of driving or riding an animal or causing it to draw any vehicle or for otherwise controlling it, use any spiked stick or bit, harness or yoke with spikes, knobs or -projections or any other sharp tackle or equipment which causes or is likely to cause bruises, swellings, abrasions or severe pain to the animal.

#### **9. Saddling of horses :**

No person shall cause a horse to be saddled in such a way that the harness rests directly on the animal's withers without there being sufficient clearance between the arch of the saddle and the withers.

#### **10. Certificates regarding unladen weight of vehicles, etc.**

- (1) For the purpose of these rules, the Board may authorise any organisation established for the purpose of preventing cruelty to animals or for promoting their welfare to issue to the owner of any vehicle which may be brought before it for examination, a certificate as to its unladen weight, and any certificate so issued may be accepted as evidence of the weight of such vehicle.
- (2) Nothing contained in this rule shall be construed as being in derogation of any right conferred by any law for the time being in force authorising any local authority to determine the unladen weight of any vehicle and to grant the necessary certificate-or stamp the vehicle in this behalf.

#### **11. Powers of police officers and. other authorised persons :**

- (1) If any police officer above the rank of a constable or any other person authorised in this behalf by the State Government or by the Board by general or special order has reason to believe that an offence against rule 3 or 4, has been or is being committed in respect of any animal referred to therein, he may, in any case where a weigh bridge is available within a reasonable distance, require the owner or other person in charge of such animal to take the animal or the vehicle or both to the weigh bridge for the purpose of determining the weight. of the load which the animal has been or is drawing or carrying.
- (2) If the owner or other person in charge of the aforesaid animal refuses to comply with the demand of the police officer or other person as so authorised, it shall be lawful for such police officer or other person to take the animal or the vehicle or both to the weight bridge for the purpose aforesaid.
- (3) As soon as any weight is determined under this rule, the owner or other person in charge of the said animal shall be given a statement in writing signed by the police officer or the person authorised as aforesaid, as the case may be, as to the weight so determined and any other information relevant for the purpose.

#### **12. Application of rules where local bye-laws etc. exist:**

If there is in force in any area to which these rules extend, any rule, regulation or bye-law made under any law for the time being in force by any local authority in respect of any of the matters for which provision is made in these rules, such rule, regulation or bye-law shall, to the extent to which

(a) It contains provisions less irksome to the animal than those contained in these rules, prevail,

(b) If it contains provisions more irksome to the animal than those contained in these rules, be of no effect.

(Notified in the Gazette of India, Part 11, Section 3, Sub-section (ii), vide Government of India, Ministry of Food and Agriculture, No. 9-18/62-LD. Dated 23rd March, 1965.)

\* [ Government of India, Ministry of Food, Agriculture, Community Development & Co-operation (Department of Agriculture), Notification No.34-2/67-LD, III dated the 9th December, 1968.]

